

16  $\frac{4}{2}$  वारी व वहीन वारी वी डॉर से  
 प्राण प्रिलन तलकी के साथ प्राण  
 दाया विद्रा वही वेश होने पर पजावनी  
 तलब होकर वेश हुई। वारी व वहीन वारी  
 के शुभ गणार्थ पजावनी का अवनौकन  
 विना गण। वारी के अगुशेध पर दाया  
 वारी विद्रा वी अगुशेध के साथ खारीज  
 विना जाता है। पजावनी के हल शुभाप  
 होकर गम्बर से नक होकर दाया दावित  
 है।

राम जी (मालि)  
 I. d. 16/11/11  
 (R)

(बृजेश कुमार)  
 उपखण्ड अधिकारी  
 नीमकाथाना (सीकर)